卐 श्री सदगुरू देवाय नमः 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 286 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦सोमवार ♦24 जुलाई 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

यूकेडी कार्यालय में बवाल

दो गुट भिड़े ,हंगामे के चलते मौके पर भारी पुलिस तैनात

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड क्रांतिदल के राजधानी में स्थित कार्यालय में सोमवार को बवाल हो गया। मौके पर भारी पुलिस फोर्स पहुंच गयी। लोगों को शांत कराने की कोशिश की गई, लेकिन दोनों गुटों के लोगों का हंगामा जारी हंगामा हो गया। दो पक्ष आमने सामने आ गये। एक पक्ष का आरोप है कि पार्टी से निष्कासित किए गए शिव प्रसाद सेमवाल

आपस में दो गुट भिड़ गए और नारेबाजी करने लगे। हंगामे की खबर मिलते ही रहा। जानकारी के मुताबिक यूकेडी दफ्तर में सोमवार को किसी बात को लेकर गुट ने रात में ऑफिस पर कब्जा कर लिया। इससे दूसरे (शेष पृष्ठ सात पर)

प्रशासनिक अधिकारी की होटल में संदिग्ध मौत

बागेश्वर(उद संवाददाता)। तहसील में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात कर्मचारी की संदिग्ध हालातों में होटल में मौत हो गयी। तहसील कर्मी को बेहोशी की हालत में होटल में पाया गया जहां से उन्हें जिला अस्पताल ले गये वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से प्रशासनिक महकमे में हड़कम्प मचा है। वहीं परिवार में कोहराम मचा है। पुलिस ने शव को कब्जे में

लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात 59 साल के गोपाल सिंह अधिकारी पुत्र केसर सिंह निवासी कमलुवागांजा कबडालपुर हल्द्वानी (शेष पृष्ठ सात पर)

गुरू माँ
उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन
गर्मियों में ठंड जैसी राहत
गुरू माँ
36 महीने तक की EMI उपलब्ध
Budget Ac
Premium Split Ac
Mid-Range Split Ac
Heavy-Duty Split Ac
Easy EMI Options Available
SONY Whirlpool SAMSUNG IFB Haier BOSCH VOLTAS
DAIKIN HITACHI MITSUBISHI ELECTRIC GENERAL LLOYD BLUE STAR
Refrigerator की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Deep Freezer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RO Purifier की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Water Dispencer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Air Cooler की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RUDRAPUR- Civil Line +91-9927882338, Kashipur Bypass +91-9690282777 , Kashipur Bypass +91-9756233166 , Sony Center +91-9917170230 KASHIPUR- Ramnagar Road +91 8791989500, Cheema Chauraha +91 9927813555 HALDWANI- Tikonia +91-9997207007, Pilikothi +91-8923468434, Pilikothi +91-9690256666, HARIDWAR- Haridwar +91-9761699704 MORADABAD- Moradabad +91-7500839146, GADARPUR- Near Super Market +91-9927850999, KICHHA- Kichha +91-7017595920, LOHAGHAT- Daak Bangla Road +91-9568035735 DEHRADUN- Kaluagarh Road +91-8394949454 PANIPAT- West Market Opp. Central Bank +91-8607964000 KARNAL-Mangal Singh Market +91-8684077000 , 49 Ram Nagar +91-8908350000

फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी कर रहे दो कर्मचारी बर्खास्त

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी कर रहे दो ग्रामीण डाक सेवकों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों को डेढ़ महीने पहले अनंतिम नियुक्ति के तहत भीमताल क्षेत्र में तैनाती मिली थी। विभाग द्वारा इनके प्रमाण पत्र की जांच कराई गई। हरियाणा बोर्ड के पास जांच के लिए दोनों डाक सेवकों के प्रमाणपत्रों को भेजा गया, जहां बोर्ड ने डेढ़ महीने बाद जांच कर दोनों डाक सेवकों के हाई (शेष पृष्ठ सात पर)

टाइगर की खाल बरामदगी के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। टाइगर की खाल और हड्डियां बरामद होने के मामले में फरार मुख्य आरोपी को एसटीएफ ने काशीपुर से गिरफ्तार कर लिया है। एसटीएफ के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी मुख्य शिकारी है उसी ने टाइगर को मारा था।

बता दें 22 जुलाई की रात्रि सीओ एसटीएफ सुमित पाण्डे के नेतृत्व में उत्तराखण्ड एसटीएफ, वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली व तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी की एसओजी की संयुक्त टीम ने खटीमा क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए 4 शातिर वन्यजीव तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 टाइगरकी खाल व करीब 15 किग्रा हड्डी बरामद की थी। गिरफ्तार चारों तस्कर जनपद पिथौरागढ़ स्थित धारचूला के रहने वाले थे। चारों तस्करों ने एसटीएफ को पूछताछ में बताया था कि उक्त खाल व हड्डियाँ वे लोग काशीपुर से एक व्यक्ति से लाये हैं जो कि (शेष पृष्ठ सात पर)

सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। बाईक पर सवार होकर काम पर जा रहे युवक की ट्रक से हुई टक्कर के बाद सामने जा रहे सीवर टैंक ले जा रहे ट्रैक्टर के नीचे आ जाने

से दर्दनाक मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार आज प्रातः बरेली–रामपुर रोड बाईपास स्थित एफटीआई के समीप ट्रक के अज्ञात चालक ने बाइक सवार युवक 19 वर्षीय मोईन अहमद पुत्र रईस निवासी इंदिरा नूरी मस्जिद हल्द्वानी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मोईन छिटककर सामने आ रहे सीवर टैंक ले जा रहे ट्रैक्टर के नीचे आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। राह गुजरते लोगों ने उसे उपचार के लिए तत्काल सुशीला तिवारी चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत (शेष पृष्ठ सात पर)

शादी टूटने के बाद युवती ने फांसी लगाकर दी जान

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।बनभूलपुरा थाना क्षेत्र में एक युवती द्वारा आत्मघाती कदम उठाते हुए नमाज अता करने के बाद घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने जब उसे फंदे में लटका देखा तो घर में कोहराम मच गया। उसे उपचार हेतु चिकित्सालय ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव अपने कब्जे में लिया और परिजनों से आवश्यक पूछताछ कर घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। शव का पंचनामा भर पोस्ट मार्टम को भेज दिया गया है। पुलिस ने मौत का कारणों की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार इंदिरा नगर बड़ी मस्जिद लाइन नंबर एक निवासी इश्तियाक अपनी पत्नी व बच्चों के साथ घर के प्रथम तल पर रहते हैं। जबकि उन्होंने अपनी 22 वर्षीय बेटी लाइबा को दूसरे तल का कमरा दिया था। लाइबा रोजाना की तरह सुबह उठकर नमाज अता करने के लिए प्रथम तल (शेष पृष्ठ सात पर)

युवती ने गौला पुल से लगाई छलांग

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। गत रात्रि एक युवती ने अज्ञात कारणों के चलते मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या कर के उद्देश्य से गौला पुल से छलांग लगा दी। आस पास मौजूद लोगों ने उसे तत्काल उपचार के लिए सुशीला तिवारी चिकित्सालय पहुंचाया जहां उसकी हालत

नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल युवती के बारे में जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गत रात्रि करीब 10 बजे लगभग 18 वर्षीय एक युवती ने गौला पुल पर घूमती दिखाई दी। पुल पर उस वक्त कुछ युवक भी टहल रहे थे। तभी अचानक रेलिंग किनारे खड़ी युवती ने देखते ही देखते पुल से नीचे छलांग लगा दी। ये देख आसपास खड़े लोग चीखते हुए उसे बचाने के लिए पुल के नीचे की ओर दौड़ पड़े। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंच गई। लेकिन नदी में पानी के तेज बहाव की वजह से लोगों को युवती तक पहुंचने में कुछ वक्त लगा। किसी तरह पुलिस (शेष पृष्ठ सात पर)

किशोरी को लेकर फरार युवक गिरफ्तार

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। रम्पुरा पुलिस ने दो माह पहले किशोरी को लेकर फरार युवक को गिरफ्तार कर किशोरी को बरामद कर लिया है। पुलिस ने दोनों को दिल्ली से पकड़ा। पुलिस दोनों को कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई कर रही है। पुलिस के मुताबिक चौकी रम्पुरा क्षेत्र में किराए पर रहने वाला युवक पड़ोस की एक नाबालिग लड़की को लेकर फरार हो गया। किशोरी (शेष पृष्ठ सात पर)

निरंतर परिश्रम से मिलती है सफलता:राज्यपाल

सिविल सेवा परीक्षा पास करने वाले होनहारों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

देहरादून (उद संवाददाता)। रविवार को राजभवन ऑडिटोरियम में सिविल सेवा-2022 में उत्तराखण्ड के सफल अभ्यर्थियों हेतु ''सम्मान समारोह'' आयोजित किया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा-2022 में उत्तराखण्ड से चयनित 15 अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने सभी सफल अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह आप सभी के निरन्तर कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है कि आप सभी ने इस कठिन परीक्षा में सफलता अर्जित की है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता जिसका आप सभी उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सफल अभ्यर्थी अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। राज्यपाल ने कहा कि अमृत काल के इस दौर में युवाओं की जिम्मेदारी अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि युवा सेवा, राष्ट्रीयता की भावनाओं को और मानवीय मूल्यों को हमेशा सर्वोपरी रखें। उन्होंने कहा कि आपके सामने बहुत बड़ी जिम्मेदारियां और संभावनाएं है। आप सभी के कार्यकाल में ही भारत को विकसित राष्ट्र और विश्व गुरु के लक्ष्य को प्राप्त करना है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस सेवा के माध्यम से चयनित होने वाले अधिकारी भारत की आर्थिक एवं सामाजिक परिदृश्य में नया परिवर्तन लाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि आपने देश की सेवा के संकल्प के साथ संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण की है। यह आपके माता-पिता एवं हम सभी के लिए गर्व की बात है। सिविल सेवा के क्षेत्र में उत्तराखण्ड की प्रतिभाएं निरंतर सफलताएं अर्जित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह संख्या बेहद कम है। उत्तराखण्ड से सिविल सेवा में अधिक से अधिक छात्र- छात्राएं उत्तीर्ण हो इसके लिए उन्हें उचित मार्गदर्शन कराया जाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में अत्यंत प्रतिभावन छात्र-छात्राएं हैं लेकिन संसाधनों के अभावों के कारण वे पिछड़ जाते हैं। इसको देखते हुए ऐसे प्रतिभावान और सिविल सेवा में रूचि रखने वाले बच्चों के लिए तीन विश्वविद्यालयों, दून विश्वविद्यालय देहरादून, गोबिन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर एवं श्री देव सुमन विश्वविद्यालय ऋषिकेश कैम्पस में सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी कराए जाने का निर्णय लिया गया है। इसे अक्टूबर माह तक प्रारम्भ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन विश्वविद्यालयों में परीक्षाओं की तैयारी हेतु संकल्प कोचिंग संस्थान के अनुभवों का लाभ लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि संकल्प संस्थान द्वारा 30 वर्ष से अधिक समय से सिविल सेवा परीक्षा हेतु बच्चों का मार्गदर्शन किया जा रहा है और यहां के आठ हजार से अधिक छात्रों ने सफलता भी अर्जित की है। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान के मार्गदर्शन और इनका लाभ विश्वविद्यालयों के कोचिंग सेंटरों को अवश्य मिलेगा।इस अवसर पर संकल्प फाउंडेशन के संस्थापक संतोष तनेजा ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी सफल अभ्यर्थियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ पूरा करने की अपेक्षा की। श्री तनेजा ने उत्तराखण्ड के विश्वविद्यालयों में सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी हेतु मार्गदर्शन एवं हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। सम्मान समारोह के अवसर पर सफल अभ्यर्थियों द्वारा अपने अनुभवों को भी उपस्थित छात्र-छात्राओं ने लोगों के साथ साझा किया गया। सभी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को कठिन परिश्रम, स्वयं पर भरोसा और अपने लक्ष्य की ओर कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। इस कार्यक्रम में सचिव मीनाक्षी सुंदरम, सचिव श्री राज्यपाल श्री रविनाथ रामन, विधि परामर्शी श्री अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाति एस. भदौरिया, निदेशक एनसीसी लिमिटेड श्री ए.बी. एन. राजू, कुलपति जी.बी. पंत विश्व विद्यालय डॉ. मनमोहन चौहान, कुलपति श्री देव सुमन विश्वविद्यालय प्रो. एन.के. जोशी, कुलपति इफ्काई विश्वविद्यालय डॉ. रामकरन, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य लोग और विभिन्न विश्व विद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

खटीमा के लिए सीएम की घोषणाओं पर जताया आभार

खटीमा (उद संवाददाता)।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र जोशी ने कहा कि वर्षों से खटीमा को लेकर चली आ रही ड्रेनेज पानी की निकासी की समस्या को ध्यान देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूरे खटीमा के लिए ड्रेनेज प्लान तैयार करने की घोषणा की है जिससे खटीमा वासियों को जलभराव एवं सड़कों पर बहने वाले गंदे एवं मानसून के पानी की निकासी सुनिश्चित हो और जलभराव की समस्या का स्थाई निराकरण हो सके। मुख्यमंत्री बनने से पूर्व पुष्कर सिंह धामी ने दस वर्ष के कार्येकाल में खटीमा की समस्या को लेकर प्लान तयार कर मुख्यमंत्री बनने के तुरंत बाद उन्होंने इस समस्या के निराकरण के लिए शुरुआत की है। वहीं मीडिया को संबोधित करते हुए जिला महामंत्री सतीश गोयल ने कहा कि खटीमा में छात्र-छात्राओं के लिए एक आधुनिक पुस्तकालय की मांग वर्षों से की जा रही थी इस मांग को संज्ञान लेते हुए पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा में पुस्तकालय स्थापित करने की घोषणा की है। जिसमे प्रतियोगिता परीक्षाओं की तयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिय सभी प्रतियोगिता पुस्तके उपलब्ध रहेंगी। पुस्तकालय निर्माण को अपनी घोषणाओं में रखकर खटीमा के छात्र-छात्राओं एवं बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों का मान बढ़ाया है। तीनों मंडलों के अध्यक्ष जीवन धामी, नगर मंडल अध्यक्ष सोमनाथ मौर्या, नौसर मंडल अध्यक्ष एवं विक्रम भट्ट चकरपुर मंडल अध्यक्ष तीनों ने सीएम पुष्कर सिंह धामी द्वारा अपनी घोषणा में खटीमा एवं उनके आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले हस्तशिल्प कला हाथ के कारीगर मिट्टी के बर्तन बनाने वाले जो छोटे-छोटे व्यवसाई अपने हुनर से अपनी जीविका चलाते हैं उनके लिए आईटीआई के अंतर्गत हस्तशिल्प एवं हथकरघा आदि विषय एवं ऐसे हथकरघा एवं हस्तशिल्प यों के लिए अलग से आईटीआई में विषय बढ़ाने एवं आईटीआई के माध्यम से उनको प्रशिक्षण देकर उनको प्रोत्साहन करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा घोषणा की गई। नगर मंडल महामंत्री मनोज वाधवा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा की गई तीनों घोषणाओं पर भारतीय जनता पार्टी एवं क्षेत्रीय जनता द्वारा मुख्यमंत्री को धन्यवाद प्रेषित किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ व्यवसाई कमल शर्मा, भवानी भंडारी, संतोष अग्रवाल, कमलजीत आदि भी मौजूद थे।

जलाभिषेक करने शिवालयों में उमड़े शिव भक्त

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। श्रावण मास के तीसरे सोमवार पर आज सभी शिवालयों में प्रात: से ही हजारों की संख्या में शिव भक्त शिवलिंग पर जलाभिषेक करने को उमड़ पड़े। मंदिरों में प्रात: से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। उन्होंने भगवान शंकर की पूजा अर्चना कर विधि विधान उसे जलाभिषेक किया। इस दौरान सभी शिवालय भगवान शंकर के जयघोषों से गुंजायमान हाते रहे। शिवालयों में शिव भक्तों ने शिवलिंग पर बेलपत्र, दूध, फल, फूल, धूप, अगरबत्ती आदि पूजा सामग्री अर्पित करने के साथ जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। नगर के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, श्री मनकामेश्वर मंदिर, श्री शिव शक्ति मंदिर, श्री दूधिया बाबा मंदिर, मां अटरिया देवी मंदिर, श्री बृहस्पति देव मंदिर, श्री नव दुर्गा मंदिर, श्री वैष्णों देवी मंदिर, श्री चामुण्डा मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर, श्री शिव मंदिर सहित आवास विकास, इन्द्रा कालोनी, सिंह कालोनी, रम्पुरा, भूतबंगला, पहाडगंज, बंगाली कालोनी, मॉडल कालोनी, दरिया नगर, घास मंडी, ईश्वर कालोनी, ट्रांजिट कैम्प, सिडकुल चौकी परिसर, कोतवाली परिसर, सिडकुल चौक, संजय नगर, आदर्श कालोनी, अटरिया रोड़, काशीपुर बाईपास रोड़, जगतपुरा, दूधिया नगर, खेड़ा, शक्ति विहार, पीएसी परिसर, गंगापुर रोड़, निकटवर्ती ग्राम डिबडिबा, दानपुर, भगवानपुर, बगवाड़ा, छतरपुर, मटकोटा, रामनगर, भूरारानी, फुलसुंगा, फुलसुंगी, प्रीत विहार आदि क्षेत्रों में स्थित शिवालयों में हजारों की संख्या में शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया। मंदिरों के बाहर पूजा सामग्री बेचने वालों की कई दुकानें सजी हुईं थीं। साथ ही मंदिरों को फूलमालाओं व रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया है। अनेक मंदिरों में शिव भक्तों द्वारा धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। सुरक्षा के लिए अनेक मंदिरों में पुलिस कर्मियों की भी तैनाती की गई है। **हल्द्वानी**- सावन मास के तीसरे सोमवार को यहां सभी मंदिरों में शिव भक्तों द्वारा पूजा अर्चना के साथ शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया। प्रात: से ही सभी मंदिरों में शिव भक्तों का आना शुरू हो गया था। नगर के श्री सत्यनारायण मंदिर, प्राचीन श्री शिव मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर, श्री राम मंदिर, मां गायत्री मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर, मां वैष्णो मंदिर, श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर सहित नगर एवं निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों की तमाम आवासीय कॉलोनियों में स्थित शिवालयों में शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया। मंदिरों को फूल एवं रोशनी से भी सजाया गया था। मंदिरों में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।अनेक मंदिरों में शिव भक्तों को प्रसाद भी वितरित किया गया।

सीएम के कार्यक्रम में सर्व समाज की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय

तो क्या यह कार्यक्रम अकेले भाजपाइयों का था?

काशीपुर(उद संवाददाता)। विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास के लिए काशीपुर पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी पुलिस व भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा किसी अन्य दलों का कोई भी व्यक्ति नजर नहीं आया जबकि देखा जाए तो मुख्यमंत्री प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए समान होता है । कार्यक्रम संपन्न होने के बाद यह मुद्दा भी यहां नुक्कड़ चौराहे पर चर्चा का विषय बना है। इससे पूर्व एमपी चौक पर ध्वज पोल के लोकार्पण कार्यक्रम में भी निगम के जिम्मेदार अधिकारियों ने भाजपा के अलावा किसी अन्य दल के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को आमंत्रित नहीं किया था। निगम प्रशासन द्वारा किए जा रहे इस तरह के भेदभाव से सरकार की छवि पर खासा प्रभाव पड़ता है। समाज के प्रबुद्ध तबके की मानी जाए तो ध्वज पोल के लोकार्पण कार्यक्रम में जल्दबाजी की गई। यह कार्यक्रम यदि 15 अगस्त पर आयोजित किया जाता तो निश्चित रूप से इस कार्यक्रम में चार चांद लग जाते और शायद समाज के सभी वर्गों की मौजूदगी होती लेकिन अपनी पीठ आप थपथपाने पाने के नाम पर आनन-फानन में इस कार्यक्रम को संपन्न कराया गया। राष्ट्रीय ध्वज जो देश की आन बान शान है इसको पोल पर तो फहराया गया लेकिन कार्यक्रम में मौजूद लोग राष्ट्रगान भूल गए। यानी कुल मिलाकर देश हित और समाज हित में काम करने की बजाय यहां तथाकथित नेता अपना उल्लू सीध ा करने के नाम पर समाज और शासन को गुमराह कर रहे हैं। सरकार को भी इस तरह के मामलों को संजीदगी से लेना चाहिए। राजनीति में प्रतिद्वंदिता सामान्य बात है लेकिन सामाजिक कार्यों में यदि वर्ग विशेष के अलावा अन्य लोगों के साथ भेदभाव की स्थित पैदा की जा रही है तो यह बेहद शर्मनाक है।

चुनाव के समय आती है याद

काशीपुर। जब कोई भी चुनाव होता है तो उसमें सर्व समाज के लोग भागीदारी करते हैं तब कहीं जाकर प्रतिनिधि चुना जाता है और यही प्रतिनिधि जब महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भेदभाव की स्थिति पैदा करने लगे तो आम जनता में इसका संदेश गलत ही नहीं जाता बल्कि जनप्रतिनिधि का भरोसा भी खत्म हो जाता है।

रिश्वत की शिकायत पर तहसील पहुंचे किसान आयोग के उपाध्यक्ष

दाखिल खारिज के नाम पर किसानों से मांगी जा रही थी रिश्वत

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। लंबे समय से किसानों की शिकायत पर ग्राम प्रधानों ने किसानों के साथ किसान आयोग के उपाध्यक्ष राजपाल सिंह के नेतृत्व में उप तहसील पहुंचकर नायब तहसीलदार राजेंद्र सनवाल का घेराव किया। आयोग

के उपाध्यक्ष ने उप तहसील में तैनात रजिस्ट्रार कानूनगो को तलब कर लिया। उपाध्यक्ष राजपाल सिंह ने कहा कि दाखिल खारिज के नाम से किसानों से पैसों की मांग पर डीएम से वार्ता कर अधिकारी को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। इधर किसान आयोग के उपाध्यक्ष के उप तहसील पहुंचने पर अधिकारियों में हड़कंप मच गया। किसान आयोग के उपाध्यक्ष ने अधिकारी को खरी-खोटी भी सुनाई। गुस्साए किसानों ने जमकर हंगामा भी काटा। उपाध्यक्ष राजपाल सिंह ने 25 फाईलें पेंडिंग होने पर दो दिन के अंदर स्पष्टीकरण करने के लिए निर्देशित किए। उन्होंने कहा कि यदि किसानों को परेशान किया गया तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही होगी। इधर किसान ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रति एकड़ के हिसाब से दाखिल खारिज करने के लिए 50000 हजार रुपए की अधिकारी मांग कर रहे हैं। पैसा ना देने पर टालमटोल कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। इधर किसानों ने किसान आयोग के उपाध्यक्ष को अधिकारी के खिलाफ राजपाल सिंह को ज्ञापन भी सौंपा। कहा कि कई किसान दाखिल खारिज के लिए दर-दर भटक रहे हैं। नायब तहसीलदार राजेंद्र सनवाल ने कहा है कि किसानों की शिकायत पर अधिकारी की जांच की जाएगी सही पाए जाने पर अधिकारी के विरुद्ध शिकायत उच्च अधिकारी से की जाएगी। घेराव करने वालों में ग्राम प्रधान भूपेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, जसवंत सिंह, गुरमीत सिंह, परमजीत सिंह, लखविंदर सिंह, सुखविंदर सिंह, जरनैल सिंह आदि किसान मौजूद थे।

प्रदेश मंत्री विकास ने सीएम को तलवार भेंट की

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। नगर निगम सभागार में करोड़ों की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने

पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को शहर में पधारने पर भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा ने तलवार भेंट कर अभिनंदन किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा रूद्रपुर में सड़कों के निर्माण के लिए दो करोड़ रूपये देने, मोदी मैदान में आउटडोर और इंडोर स्टेडियम बनाने, रूद्रपुर शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए मल्टी स्टोरी पार्किंग बनाने, नैनीताल हाईवे का सौंदर्यीकरण करने, सिडकुल ट्रांजिट कैम्प सड़क का निर्माण आदि की घोषणाएं करने पर सीएम का आभार व्यक्त किया। विकास शर्मा ने कहा कि सीएम पुष्कर सिंह धामी द्वारा की गयी ये घोषणाएं रूद्रपुर के समग्र विकास के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।

Shri Shyam Properties
Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property
CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

जगदीश कलर लैब टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

बेहड़ ने छठ पूजा स्थल और सड़कों का किया लोकार्पण

किच्छा(उद संवाददाता)।विधायक तिलक राज बेहड़ ने सोमवार को अपनी विधायक निधि के अंतर्गत निर्मित कराये गए तीन विकास कार्यो का नारियल फोडकर उद्घाटन किया। इसके तहत ग्राम सतुईया में विधायक निधि से एक सी०सी० सड़क जिसकी लागत 4.79 लाख तथा ग्राम चाचर में छठ पूजा स्थल

जिसकी लागत 4.82 लाख रूपये तथा वार्ड न०-19 सिरौली में एक सड़क जिसकी लागत 4.82 लाख है का विधायक बेहड़ द्वारा लोकार्पण किया गया। सर्वप्रथम विधायक बेहड़ ग्राम सतुइया में पहुंचे जहाँ ग्रामीणों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया तथा उन्होंहे जलभराव वाली जगह पर विधायक निधि से निर्मित करायी गयी सी सी सड़क का नारियल फोडकर उद्घाटन किया। इसके पश्चात वे ग्राम चाचर फार्म पहुंचे जहाँ उन्होंने विधायक निधि से निर्मित छठ पूजा स्थल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे हर गाँव में विकास कार्य करवा रहे है पूर्व के जनप्रतिनिधियों की भेदभाव वाली नीतियों के चलते विधानसभा के बहुत से क्षेत्र ऐसे है जो विकास से अछूते हैं जिन क्षेत्रों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया लेकिन उनके कार्यकाल में पूरी विधानसभा के प्रत्येक क्षेत्र का सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए भेदभाव और दलगत राजनीती से ऊपर उठकर विकास कार्य कराये जा रहे है।इसके पश्चात वे वार्ड न०-19 सिरोली कलां पहुंचे जहाँ भारी संख्या में वार्ड वासियों ने फूल मालाओं से लादकर उनका स्वागत किया जहाँ उन्होंहे विधायक निधि से निर्मित करायी गयी सी सी सड़क का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा पिछले कुछ समय से अस्वस्थ्य चल रहे पूर्व प्रधान व वर्तमान सभासद सईदुल रहमान का उनके निवास स्थान पर पहुँच कर हाल चाल जाना और परिवारजनों तथा वार्ड वासियों से मुलाकात की। इस दौरान किच्छा नगर पालिका अध्यक्ष दर्शन कोली, नगर कांग्रेस कमेंटी अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ,अरुण कुमार शुक्ला,मेजर सिंह, सईदुल रहमान, सुनील ठाकुर, मनोज, श्रीमती तुलसी ग्राम प्रधान चाचर ,गुलशन सिन्धी,ताहिर मलिक,एन यू खान, त्रिमल प्रसाद, बहादुर राम कश्यप, पातीराम ,श्रीपाल शर्मा ,महेंद्र कुमार ,सतत्तर सिंह ,राजेन्द्र कुमार, , सुनीता कश्यप, सुमित आर्य ,कृष्णराम ,जगदीश राम , हरदेव ,इश्वर राम, हरदयाल, दुर्गेश गुप्ता,फरियाद शाह, तस्लीम सलमानी, जावेद मलिक ,सगीर अहमद , बाबु शेफी आदि लोग उपस्थित थे।

विधायक अरोरा ने कैबिनेट मंत्री धन सिंह को सौंपा ज्ञापन

राजकीय इंटर कालेज निर्माण व मेडिकल कालेज में एमआरआई मशीन लगाने की मांग

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। विधायक शिव अरोरा ने उत्तराखंड सरकार में उच्च , माध्यमिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के रुद्रपुर प्रवास के दौरान उनसे मुलाकात की। विधायक ने मुलाकात के दौरान रुद्रपुर विधानसभा के विभिन्न मुद्दों को लेकर वार्ता की और उन्हें ज्ञापन देकर रुद्रपुर क्षेत्र में राजकीय इंटर कालेज निर्माण हेतु आग्रह किया। विधायक शिव अरोरा ने बताया लगभग 70 वर्ष से रुद्रपुर में कोई सरकारी इंटर कॉलेज का निर्माण नही हुआ वही एक जीजीईसी इंटर कालेज का निर्माण हुआ जोकि छात्राओं के अध्ययन हेतु है। वही रुद्रपुर क्षेत्र में सिडकुल होने के चलते यहाँ ट्रांजिट कैंप व उसके आस पास घनी आबादी को देखते हुए राजकीय इंटर कालेज का निर्माण क्षेत्र में अत्यंत आवश्यक है। विधायक ने मंत्री धन सिंह रावत को बताया कि यहाँ बहुत बड़ी संख्या ऐसे परिवार ऐसे हैं जो प्राइवेट स्कूल में अपने बच्चो को शिक्षा ग्रहण करने में सक्षम नही है । कई बार आर्थिक मजबूरी के चलते बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। विधायक ने कहा कि जिला स्तर से प्रस्ताव शासन को जा चुका है जिस पर शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने सहमति जताते हुए कहा कि शासन स्तर पर स्वीकृति की कार्यवाही को आगे बढ़ते कार्य आने वाले समय मे जल्द ही किया जायेगा। विधायक अरोरा ने जिला मुख्यालय पर मेडिकल कालेज में एमआरआई मशीन की स्थापना के लिये भी मंत्री धन सिंह रावत को ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा पूरे जिले में कही भी एमआरआई मशीन नही है और रुद्रपुर जिला मुख्यालय होने के चलते यहां बहुत बड़ी संख्या में लोग सरकारी हॉस्पिटल में इलाज पर निर्भर रहते हैं। एमआरआई मशीन की स्थापना मेडिकल कालेज में हो जाती है तो यहाँ के गरीब परिवार को एमआरआई के टेस्ट बाहर से कराने का आर्थिक भार कम हो जायेगा और गरीब के लिये इसके लगने से काफी राहत होगी । इसकी स्थापना यहाँ की आबादी और गरीबों को राहत देने के लिये मील का पत्थर साबित होगा। धन सिंह रावत ने जल्द ही एमआरआई मशीन के मेडिकल कॉलेज में स्थापना के लिये आश्वस्त किया। विधायक शिव अरोरा ने कहा दोनो ही विषय क्षेत्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता है जिनको जल्द ही धरातल पर उतरना यहां की जनता के लिये काफी सुविधापूर्ण होगा।

दूधिया मंदिर में बांटे तुलसी के पौधे

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा सावन के तीसरे सोमवार को घर-घर तुलसी अभियान के अंतर्गत किच्छा रोड स्थित श्री दूधिया मंदिर पहुंची, जहां उन्होंने सैकड़ों महिलाओं सहित अन्य लोगों को तुलसी के पवित्र पौधे वितरित किए । इससे पूर्व श्रीमती शर्मा और कांग्रेस नेता अनिल शर्मा ने मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की और शिवलिंग पर जलाभिषेक किया स यहां शर्मा दंपत्ति ने गंगाजल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र, फल, फूल, और अन्य पूजा सामग्री अर्पित कर भगवान शिव से क्षेत्र की खुशहाली और तरक्की की प्रार्थना की, बाद में श्रीमती शर्मा ने घर-घर तुलसी अभियान प्रारंभ करने से पूर्व श्री श्री 1008 श्री शिवानंद महाराज को माल्यार्पण कर व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया, और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। बाद में श्रीमती शर्मा ने सैकड़ों उपस्थित लोगों को तुलसी का पौधा प्रदान किया और उसके महत्व को बताया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता अनिल शर्मा, कमलेश गुप्ता, पंडित राजेंद्र शर्मा, नरेंद्र गंगवार, पूजा, विमला, नंदिनी, सरस्वती, चांदनी, विनोद, अरविंद सक्सैना, राम भरोसे, चंद्रेश यादव, दिलीप सहित बड़ी संख्या में अन्य महिलाएं उपस्थित थी।

धन सिंह रावत से मिला शिष्टमंडल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण चुघ ने एक शिष्ट मंडल के साथ प्रदेश के शिक्षा एवं सहकारिता मंत्री डा. धन सिंह रावत से लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में मुलाकात कर उनसे आने वाले सहकारिता चुनाव के साथ साथ शिक्षा के कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा लोगों को सहकारिता से जोड़ने के लिए जो कार्य किए जा रहे हैं काफी सराहनीय हैं। इससे महिलाओं सहित प्रदेश के लाखों लोग स्वरोजगार की ओर प्रेरित हुए। श्री चुघ ने कहा कि राज्य में किसानों को फसल उत्पादन के प्रति और जागरूक करने के साथ ही उन्हें कृषि से जुड़े अन्य रोजगार परक कार्यों के लिए प्रोत्साहित करना होगा। जिनमे दुधारू पशु पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, भेड़ पालन, मधुमक्खी पालन आदि कार्य शामिल हैं। इसके लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देने का आग्रह किया। श्री चुघ ने कहा कि देवीय आपदा से प्रभावित किसानों को बैंक ऋण अदायगी में राहत देकर सरकार उनकी मदद कर सकती है। उन्होंने सहकारिता चुनाव पर चर्चा करते हुए कहा कि निर्वाचित जन प्रतिनिधियों द्वारा बैठक के दौरान रखी जाने वाली क्षेत्र की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान हो इसके लिए सभी सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाए। श्री रावत ने शिष्ट मंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा इस संदर्भ में समय समय पर आयोजित होने वाली अधिकारियो की बैठक में उन्हें सख्त निर्देश दिए जाते हैं। यदि कोई अधिकारी अपने कार्य में लापरवाही बरतता है तो इसकी जानकारी उन्हें दे। स्पष्टीकरण के पश्चात कार्रवाई अवश्य होगी। इस मौके पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा अनिल चौहान, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा रामप्रकाश गुप्ता, टीवीएस अध्यक्ष गोपाल बोरा, जिला उपाध्यक्ष ज्ञान सिंह चौहान, पूर्व नगर अध्यक्ष सत्य प्रकाश चौहान, गोपाल पटवाल, रोहित गुप्ता सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

आजादी के 'अमृत काल' में लापता हुआ 'राष्ट्रीय ध्वज'

घोर उपेक्षा से सूखे पेड़ के ठूंठ की तरह खड़ा है रुद्रपुर के गौरव के रूप में स्थापित 181 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ

- अर्श-

रूद्रपुर। अब से तकरीबन पौने-दो वर्ष पूर्व नगर स्थित गांधी पार्क में, रुद्रपुर के गौरव के रूप में स्थापित 181 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ, इन दिनों घोर प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार होकर अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। हालात यह है कि इस समय मौके पर राष्ट्रीय ध्वज स्थापना स्थल का केवल स्तंभ भर मौजूद है और स्तंभ से राष्ट्रीय ध्वज लापता है। दुर्भाग्यवश इस ओर अब तक ,ना तो स्थानीय प्रशासन का ध्यान जा सका है और ना ही नगर निगम का। और तो और ,रुद्रपुर के गौरव की इस उपेक्षा पर रुद्रपुर के रहनुमाओं की आंखें भी पूरी तरह बंद है ।इसके अलावा वक्त बेवक्त राष्ट्रीय ध्वज प्रेम का राग अलापने वाले नगर के तमाम छोटे बड़े राजनीतिक दलों के नुमाइंदे एवं समाजसेवी भी इस मसले पर मुंह में दही जमाए बैठे हैं। गौरतलब है कि गुजरे रोज ही शहर में एक बड़ा सरकारी जलसा संपन्न हुआ है जिसमें नगर निगम के रुद्रपुर के वैभवशाली इंतजाम एवं धूम-धड़ाके के बीच सूबे के मुखिया पुष्कर सिंह धामी एवं केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट के साथ सत्ताधारी दल के तमाम बड़े नेताओं ने शिरकत की। इस अवसर पर स्थानीय प्रशासन एवं नगर निगम ने अच्छी खासी कसरत की और रुद्रपुर शहर को खूब सजाया संवारा गया। नगर की सफाई व्यवस्था सहित अन्य तमाम सार्वजनिक व्यवस्थाओं को पूरी तरह चाक-चौबंद एवं हाई क्लास दिखाने की पूरी कोशिश की गई। मगर हैरत की बात तो यह है की स्थानीय प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, स्थानीय विधायक एवं मेयर आदि किसी को भी यह ख्याल नहीं आया कि गांधी पार्क में राष्ट्रीय ध्वज के बिना, सूखे पेड़ के किसी ठूंठ की मानिंद लग रहे स्तंभ पर ,कम से कम राष्ट्रीय ध्वज लगाने की व्यवस्था तो करा दें। राज्य के मुख्यमंत्री के नगर आगमन पर तो कम से कम रुद्रपुर मे राज्य का सबसे ऊंचा तिरंगा लहराना ही चाहिए था ।वह इसलिए क्योंकि, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ही 2 अक्टूबर 2021 को गांधी पार्क स्थित उत्तराखंड के सबसे ऊंचे इस राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ का उद्घाटन किया था। याद दिलाना होगा कि 181 फीट ऊंचे इस राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ का निर्माण तत्कालीन विधायक राजकुमार ठुकराल ने विधायक निधि से कराया था। इसके निर्माण की आधारशिला 15 अगस्त 2021 को रखी गई थी ।इस स्तंभ के निर्माण में 46 दिन का समय लगा था और 47 वें दिन राज्य के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर एवं 1000 बलून व कबूतर उड़ा कर इसका उद्घाटन किया था ।उद्घाटन के समय तिरंगे झंडे की लंबाई और चौड़ाई 36×54 फीट थी और इसकी थिकनेस 197 जीएसएम थी ।तिरंगे की निर्माण की सामग्री कोलकाता से मंगवाई गई थी और इसके निर्माण में पोलिस्टर कपड़े का प्रयोग किया गया था। खास बात तो यह है कि उत्तराखंड के सबसे ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्थल के निर्माण एवं देखरेख की जिम्मेदारी स्टार सेल्स नामक कंपनी को दी गई थी, जिसने अनुबंध के अनुसार उद्घाटन के बाद एक साल तक इसकी देखरेख की, लेकिन एक साल के बाद इसकी देखरेख बंद हो गई। परिणाम स्वरूप इसके दुरदिन आरंभ हो गए और कालांतर में यह पूरी तरह दुर्दशा का शिकार हो गया। लिहाजा ताजा हालात अब कुछ ऐसे है कि आजादी के अमृत काल में उत्तराखंड के सबसे ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्थापना स्थल के स्तंभ से तिरंगा ही गायब है ।

पहले इस तरह नजर आता था रूद्रपुर के गांधी पार्क में स्थापित उत्तराखंड का सबसे ऊंचा तिरंगा झंडा

इस समय राष्ट्रीय ध्वज स्थापना स्थल पर केवल स्तंभ मौजूद है तिरंगा झंडा गायब है

पूर्व विधायक ठुकराल की देन

रूद्रपुर। शहर के गांधी पार्क में रुद्रपुर के गौरव के रूप में स्थापित उत्तराखंड के सबसे ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्थल का निर्माण रुद्रपुर के पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कराया था। इस निर्माण के लिए उन्होंने विधायक निधि से 28लाख रुपए का फंड दिया था। साथ ही उन्होंने इसकी देखरेख के लिए एक निजी कंपनी को भी अधिकृत किया था ।आगे चलकर सियासी हालात कुछ ऐसे बने कि रुद्रपुर की जनता ने नया विधायक चुन लिया और बदले हुए नए सियासी परिदृश्य में किसी ने इसकी खैर खबर लेने की जहमत नहीं उठाई।

नगर निगम ही पहल कर दे

रूद्रपुर। उत्तराखंड के सबसे ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्थापना स्थल के स्तंभ से तिरंगे के लापता होने से नगर निगम के माथे पर अब तक कोई शिकन भले ही ना आई हो और इस दिशा में वह अपना कोई कर्तव्य ना मानता हो, लेकिन अगर इच्छा शक्ति दिखाएं तो इस दिशा में उसका भी थोड़ा बहुत योगदान हो सकता है ।भले ही वह कर्नाटक के बेलगाम स्थित देश के सबसे ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्थापना स्थल की भांति इसे टूरिस्ट प्लेस ना बनाए ,पर कम से कम गांधी पार्क स्थित राष्ट्रीय ध्वज स्थल की साफ-सफाई तो सुनिश्चित कर ही सकता है।

आखिर कब होगा कर्तव्य बोध?

रुद्रपुर। शहर के लिए यह गौरव की बात है कि राज्य का सबसे ऊंचा तिरंगा एक समय शहर के गांधी पार्क में लहराया करता था ,परंतु दुर्भाग्यवश इस व्यवस्था में आज कल कुछ अवरोध उत्पन्न हो गए हैं। उक्त अवरोध शीघ्रातिशीघ्र दूर हो और उत्तराखंड का सबसे ऊंचा तिरंगा अपनी पूरी आन बान और शान से रुद्रपुर के आंगन में निरंतर लहराता रहे ,यह सुनिश्चित करने के लिए शहर के विधायक शिव अरोरा को आगे आने की जरूरत है। रुद्रपुर का विधायक होने के नाते इस दिशा में उनके भी कुछ कर्तव्य है।अब यह देखना होगा कि रुद्रपुर विधायक को अपने इस कर्तव्य का बोध कब होता है ?

विधायक शिव अरोरा के प्रस्तावों पर सीएम धामी ने लगाई मुहर

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। रुद्रपुर नगर निगम में कई योजनाओं के लोकार्पण करने आये प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधायक शिव अरोरा के एक साल के कार्यकाल की उपलब्धियों पर चार चांद लगा गये। मुख्यमंत्री ने मंच से विधायक शिव अरोरा का नाम लेकर उनके द्वारा पूर्व में दिये गये प्रस्तावों को पढ़ना शुरू किया जो मुख्यमंत्री ने अपनी घोषणा में शामिल किये हैं जिसमे एनएस 87 पर उत्तराखंड का सुंदर प्रवेश द्वार और सिडकुल पारले चौक तक ग्रीन फील्ड सौन्दर्यकरण, शहर को जाम से निजात दिलाने के लिये मल्टीस्टोरी पार्किंग का निर्माण चरणबद्ध रूप से कराने हेतु शासनादेश, वर्षा के कारण रुद्रपुर क्षेत्र में होने वाली जलभराव के स्थायी समाधान हेतु चरणबद्ध रूप से कार्य करवाने के साथ ही मोदी मैदान में ऑडिटोरियम ओर एक बड़े स्तर का स्टेडियम निर्माण करने आदि घोषणाएं शामिल हैं। विधायक शिव अरोरा ने बताया कि जिला अध्यक्ष रहते हुए बाईपास रिंग रोड का प्रस्ताव दिया था जो आज धरातल पर कार्य नजर आने लगा है जिससे बहुत बड़ा जाम शहर के बाहर से ही होकर निकल जायेगा। छत्तरपुर में रेलवे के यार्ड हेतु भी केंद्र सरकार से धनराशि जारी हो गयी है जिससे बहुत बड़े रोजगार की सम्भावनाये बढ़ेगी । नगर में जलभराव के स्थायी समाधान के लिये इंजीनियरों द्वारा सर्वे किया जा रहा है। इसके लिये बजट भी आवंटित हो गया है। महज एक वर्ष के कार्यकाल में कई बड़े कार्य को अमलीजामा पहनाने के प्रयास सफल होते नजर आ रहे हैं। आने वाले समय में भारत के नक्शे पर रूद्रपुर की एक अलग पहचान नजर आयेगी। हमेशा अपनी कार्यशैली को लेकर चर्चा में रहने वाले विधायक शिव अरोरा के काम की तारीफ सीएम धामी भी कर गये। विधायक शिव अरोरा ने रूद्रपुर को कई सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया ।

जय दुर्गा ट्रेडर्स का हुआ उद्घाटन

समाजसेवी सुशील गाबा, नरेश ग्रोवर सहित तमाम लोगों ने दी बधाई

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। नगर के युवा व्यवसाई आशीष ग्रोवर आशु के नव प्रतिष्ठान जय दुर्गा ट्रेडर्स का धार्मिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत शुभारंभ हुआ। समाजसेवी सुशील गाबा एवं नरेश ग्रोवर सहित दर्जनों क्षेत्र वासियों ने नव प्रतिष्ठान पर पहुंचकर ग्रोवर परिवार को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। भगत सिंह चौक स्थित इस नव प्रतिष्ठान जय दुर्गा ट्रेडर्स पर श्री आनंदपुर सत्संग भवन भुरारानी की मुख्य सेवादार कंचन बाई जी के द्वारा सर्वप्रथम श्री गुरु महाराज जी के पवित्र स्वरूप को स्थापित कराया गया और उसके बाद धार्मिक मंत्रोच्चार के बीच प्रतिष्ठान स्वामी आशीष ग्रोवर आशु एवं उनके परिवार को तिलक लगाकर एवं कलावा बांधकर नव प्रतिष्ठान हेतु आशीर्वाद प्रदान किया। प्रतिष्ठान स्वामी आशीष ग्रोवर आशु ने बताया कि इस प्रतिष्ठान में बर्थडे एवं डेकोरेशन के समस्त सामग्री, हर प्रकार के गुब्बारे, सजावट का सामान, बर्थडे कैंडल, झालर, अनार गन आदि थोक रेट पर उपलब्ध है। निकट भविष्य में जन्माष्टमी सहित अन्य आयोजनों के लिए काम आने वाला सामान भी क्षेत्रवासियों को उपलब्ध कराया जाएगा। वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेता सुशील गाबा ने प्रतिष्ठान स्वामी आशीष ग्रोवर आशु को बुके भेंट कर स्वागत करते हुए कहा कि हमेशा गिर कर उठना ही इंसान के व्यक्तित्व की मजबूती को दर्शाता है। आशीष ग्रोवर आशु ने जिस जिजीविषा एवं मजबूती से दोबारा उठकर एक नया प्रतिष्ठान खोला है, उससे समस्त क्षेत्रवासियों में भारी हर्ष की लहर है । समस्त क्षेत्रवासियों की दुआएं एवं सहयोग इस नव प्रतिष्ठान के साथ स्वभाविक रूप से ही जुड़ गया है। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेता नरेश ग्रोवर, आयुष धमीजा, बिट्टू ग्रोवर, सुरेश धमीजा, कविता धमीजा, सविता रानी, महक धमीजा, नोनी ग्रोवर, हर्षित ग्रोवर, प्रभात नारंग, विशाल भुड्डी, किशन लाल मिगलानी, बंटी ठक्कर, जागीर सिंह, बलजीत सिंह, विजय कुमार, अरूण कुमार,शुभम कुमार, रवि कुमार अमित वर्मा, नरेश ठेकेदार आदि सहित दर्जनों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

हीरा नगर में आयोजित हुआ मिलेट महोत्सव

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी, महिला मोर्चा के तत्वाधान में मिलेट (मोटा अनाज) महोत्सव 2023 का केवीएम स्कूल हीरा नगर हल्द्वानी में आयोजन किया गया, जिसमें मोटा अनाज, जैसे गेहूँ, मक्का, ज्वार, बाजरा, चना के साथ-साथ अन्य मोटा अनाज खाने के फायदे और नुकसान के बारे में जानकारी दी, वर्तमान समय में हम इन चीजों को भूल कर चाइनीज फास्ट फूड और कई प्रकार के जंक फूड अपने भोजन में इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे नई-नई बीमारियों के साथ-साथ इम्यूनिटी पावर भी कम हो रही है,

विद्यालय के कैंपस में चित्र बनाओ प्रतियोगिता के साथ-साथ मोटे अनाज से बने व्यंजन जैसे भट्टे के डुबके, चुरकानी भट्ट की गुजिया भट्ट के मामो भी लगाए गए। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, जिला अध्यक्ष (महिला) श्रीमती अलका जीना, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती बेला तोलिया, नगर भाजपा अध्यक्ष प्रताप रैक्वाल, नगर महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती राशि जैन, जिला महामन्त्री रंजन बर्गली, नवीन भट्ट, जिला उपाध्यक्ष दिनेश खुल्बे, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, नगर महामन्त्री पंकज अधिकारी जी. दिनेश आर्य नगर मीडिया प्रभारी रविन्द्र श्रोत्रिय, संजय त्यागी सहित भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पानी के लिए लोगों में त्राहि त्राहि

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। महानगर के वार्ड 59 में पिछले कई दिनों से पानी के लिए त्राहि त्राहि मची हुई है। वॉर्ड के स्वामी विहार, आम का बगीचे में जिस टंकी से पानी की सप्लाई होती है सप्लाई खराब होने के कारण दोनों जगह पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इसके अलावा इसी वार्ड की अन्य कॉलोनी गणपति विहार, जोशी बिहार,चौधरी कॉलोनी में भी लगभग डेढ़ सौ परिवार पेयजल की समस्या

से जूझ रहे हैं। क्षेत्रीय पार्षद रईस अहमद(गुड्डू) ने कहा कि पेयजल निगम द्वारा पर्याप्त संख्या में टैंकर ना देने के कारण लगभग 300 परिवार पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों से बात करने के पश्चात भी टैंकरों की संख्या नहीं बढ़ाई गई है। जिससे क्षेत्रीय जनता में आक्रोश पनप रहा है। रईस कहा कि अगर जल्द ही टैंकरों की संख्या ना बढ़ाई गई तो क्षेत्र की जनता के साथ आंदोलन छेड़ दिया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी।

भाविप शाखा काठगोदाम ने आयोजित किया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भारत विकास परिषद शाखा काठगोदाम द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर माध्यमिक सीनियर हाई स्कूल विद्यालय, वमोरी, लालडांट रोड में आयोजित किया गया।जिसमे पूर्व सीएमओ नेत्र रोग विशेषज्ञ डा .हरीश चंद्रा, परामर्श चिकित्सक डॉ. विनय खुल्लर, फिजिशियन डॉ. गोविन्द चिचवानी, डॉ. अरविंद्र पाठक, दन्त रोग डॉ. प्राची बिस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीती तिवारी ने अपना परामर्श 400 रोगियों को दिया। शूगर जाँच माइक्रो दिनेश

सनवाल ने की। डॉ. खुल्लर ने बताया शिविर में शूगर, ब्लड प्रेशर, नेत्र रोग, दांतो की समस्या, स्त्री रोग एवं प्रसूती रोग, रोगी त्वचा सम्बंधित, पेट एवं श्वाश एवं सामान्य सम्बंधित रोगियों का परिक्षण किया एवं नि:शुल्क दवाएं वितरित विशाल गरिमा सिंघल ने किया।शिविर में अध्यक्ष दीपक माहेश्वरी, सचिव रश्मि जैन, कोषाध्यक्ष दीपक बिस्ट, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, राजीव रावत, हरीश सिँह गोरा, जीतेन्द्र देरोलिया, रमेश नीलम शर्मा, रेनू बिष्ट, अलका माहेश्वरी, दिनेश सनवाल, विशाल, गरिमा सिंघल, प्रेम मदान, संजय जैन ने सहयोग किया।

रुद्रपुर की प्रथम सबसे कम उम्र की नेत्रदाता बनी साक्षी गगनेजा

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। सोढ़ी कॉलोनी निवासी नीरज गगनेजा की सुपुत्री एवं वसुंधरा ग्रुप के एमडी उज्ज्वल गगनेजा की भतीजी 20 वर्षीय कु साक्षी गगनेजा का आकस्मिक निधन हो गया। दुख की इस घड़ी में सामाजिक सोच रखते हुए पिता ने बड़ा हृदय करते हुए नगर की नेत्रदान संस्था सोचो डिफरेंट से संपर्क किया। तत्पश्चात सीएल गुप्ता आई बैंक मुरादाबाद की टीम द्वारा सफलतापूर्वक नेत्रदान लिए गए। अब किन्हीं दो लोगों के जीवन में रोशनी आएगी। कु साक्षी गगनेजा हमेशा के लिए अमर हो गई। जाते जाते किन्ही दो लोगो को रोशनी दे गई। दिवंगत आत्मा को क्षेत्र के विभिन्न संगठनों ने एलायंस सोसायटी,व्यापार मंडल गदरपुर,भारत विकास परिषद,श्री सनातन धर्म सभा,पंजाबी महासभा ,हेल्प टू अदर्स सोसायटी,पूर्व पार्षद गुरदीप गाबा, समाजसेवी संजय ठुकराल आदि ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

विद्युत चोरी में तीन लोगो पर केस

काशीपुर(उद संवाददाता)। विद्युत चोरी के आरोप में पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि मोहल्ला सुभाष नगर काली मंदिर के समीप निवासी धर्मेश कुमार पुत्र श्री राम शरण तथा यहीं के गुरनाम सिंह पुत्र दलजीत सिंह पिछले लंबे समय से एलटी लाइन में कटिया डालकर विद्युत चोरी किया करते थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर उपरोक्त दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 135 विद्युत अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया।

भाजपा किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

गदरपुर(उद संवाददाता)। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश हुडिया एवं जिलाध्यक्ष बलकार सिंह के नेतृत्व में उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके निवास खटीमा में जाकर जिले के किसानों की समस्याओं के निस्तारण हेतु उनके सामने विभिन्न समस्याओं को रखा,जिस पर सीएम ने भाजपा

किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष को आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस मौके पर जिला महामंत्री गोल्डी सूरी,किसान मोर्चा जिला मंत्री रघुवीर सिंह एवं गुरमुख सिंह,मंडल महामंत्री मन्नू सिंह, एससी मोर्चा,मोहन दिवाकर जिला महामंत्री एससी मोर्चा, अमरपाल अध्यक्ष एससी मोर्चा तथा जिले के किसान मोर्चा के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्राचीन शिव मंदिर में लग रहा भक्तों का तांता

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। करतारपुर रोड पर सुआ नगला स्थित प्राचीन शिव मंदिर में इन दिनों भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। वैसे तो प्रत्येक सोमवार को यहां भक्तों का तांता लगता है। लेकिन सावन में मंदिर में विशेष रौनक रहती है। आज भी सोवन के सोमवार पर सुबह से ही मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। आस पास ही नहीं बल्कि दूर दराज से भी भक्त यहां जलाभिषेक और पूजा अर्चना के लिए पहुंचते हैं। सावन में बड़ी संख्या में कांवरिये भी हरिद्वार से जल लेकर यहां जलाभिषेक कर रहे हैं। आज मंदिर में भक्तों ने विशाल भंडारा भी आयोजित किया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सावन के सोमवार पर रूद्रपुर से समाजसेवी संजय ठुकराल, बाबा भक्त विक्की मुंजाल, गगन ग्रोवर आदि ने भी शिव मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना की ।

KOTIA ENTERPRISES
शुद्धता में सर्वोत्तम
100% Pure
शुद्ध तेल खाओ, जीवन लम्बा बनाओ !
वीर कच्ची घानी
होम डिलीवरी उपलब्ध
Ward No.16 Kichha Road, Bagwara Rudrapur (U.S.Nagar)
Veer Singh Virk
Managing Director
Mob.+919837146811,7500035083
Email:veersingh.bagwara@gmail.com
खल सरसों (लाही) गेहूं (कनक)/धान/मटर/सोयाबीन,उच्च मूल्य पर खरीदने बेचने के लिए संपर्क करें

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

रोजगार और पलायन

आमतौर पर दूसरे देशों में पलायन कर वहां बसने का प्रमुख कारण रोजगार होता है।जब व्यक्तिगत सुविधाओं, रोजी-रोजगार और बेहतर जीवन जीने की लालसा में किसी देश के लोग नागरिकता छोड़ कर दूसरे देशों में जाकर बसने लगें, तो यह निश्चित रूप से उस देश के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। प्रतिभा पलायन को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। कुछ साल पहले तक युवाओं को भावनात्मक रूप से प्रेरित करने का प्रयास किया जाता रहा कि जिस देश ने उनकी पढ़ाई-लिखाई पर इतना खर्च किया है, जब सेवा देने का समय आए तो उस देश को छोड़ कर अपनी प्रतिभा का योगदान किसी और देश में देना नैतिक रूप से सही नहीं होगा। मगर इस प्रेरणा का कोई असर नहीं हुआ। उत्तरोत्तर प्रतिभा पलायन बढ़ता गया। अब स्थिति यह है कि जिनके भारत में जमे-जमाए कारोबार हैं, उनमें भी अपनी नागरिकता त्याग कर दूसरे देशों में जाकर बसने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। खुद केंद्र सरकार ने संसद में एक सवाल के जवाब में बताया है कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में हर दिन लगभग चार सौ उनतालीस भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ी है। सबसे अधिक पिछले साल सवा दो लाख से ऊपर लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी। ये लोग एक सौ पैंतीस देशों में गए हैं, जिनमें पाकिस्तान और सऊदी अरब भी शामिल हैं।आमतौर पर दूसरे देशों में जाकर बसने का प्रमुख कारण रोजी-रोजगार होता है। भारत में हर साल लाखों युवा इंजीनियरिंग, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा हासिल करके रोजगार की तलाश में निकलते हैं, मगर उनमें से चालीस फीसद को भी उनकी इच्छा और क्षमता के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पाता। ऐसे में वे दूसरे देशों का रुख करते हैं। इसके अलावा बहुत सारे युवा इसलिए भी दूसरे देशों का रुख करते हैं कि यहां उन्हें उनके काम के अनुरूप पैसा नहीं मिल पाता। कई विकसित देशों की तुलना में यहां वेतन, भत्ते और काम करने की स्थितियां बहुत खराब हैं। इसलिए भी वे मौका मिलते ही दूसरे देशों में चले जाते और फिर यहां की नागरिकता छोड़ देते हैं। बहुत सारे युवा विदेशों में पढ़ने जाते हैं और फिर वहीं की नागरिकता हासिल कर लेते हैं।मगर पिछले कुछ वर्षों में ऐसे भी अनेक लोगों ने यहां की नागरिकता त्याग दी, जिनके यहां अपने कारोबार थे और उन्हें समेट कर वे दूसरे किसी देश में चले गए। यानी उन्हें यहां कारोबार की स्थितियां अनुकूल नहीं लगीं। इसके अलावा कई लोग असुरक्षाबोध के चलते भी कहीं और जा बसे।जनसंख्या के आधार पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश बन चुका है। ऐसे में माना जा रहा है कि इसे जनसांख्यिकीय लाभांश दूसरे देशों की अपेक्षा अधिक मिलेगा और अर्थव्यवस्था में तेजी से विकास होगा। इसी के मद्देनजर सरकार ने कौशल विकास संबंधी कार्यक्रम चलाए हैं, अपने रोजगार शुरू करने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके बावजूद अगर हर साल नागरिकता छोड़ने वालों की तादाद कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज हो रही है, तो इसके कारणों पर गंभीरता से ध्यान देने और उनके समाधान के प्रयास की जरूरत है। आर्थिक मोर्चे पर बेहतरी के लिए जरूरी है कि अपनी बेहतरीन प्रतिभाओं को देश में ही रह कर काम करने का संतोषजनक वातावरण तैयार किया जाए। रोजगार के नए अवसर केवल कौशल विकास से सृजित नहीं होते, इसमें श्रमशक्ति को मुख्य धारा से जोड़ने वालों के उद्यम और प्रतिभा की भी जरूरत होती है।

उत्तराखंड में मंत्रियों की संख्या पूर्ण करने की राज्यपाल से मांग

संविधान के अनुच्छेद 164 के अन्तर्गत चार और मंत्रियों की नियुक्ति के लिये भेजा ज्ञापन

काशीपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में वर्ष 2022 के विधानसभा के आम चुनाव के उपरान्त से ही भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164(1क) के अन्तर्गत निर्धारित मंत्रियों की न्यूनतम संख्या 12 न होने से मंत्रिपरिषद न रहकर मंत्रियों का समूह रह जाता है जिनकी सलाह पर कार्य करने का कोई प्रावधान संविधान में नहीं है। इसलिये ऐसी मंत्रियों की कम संख्या वाले मंत्रियों के समूह की सलाह पर किये गये कार्यों पर वैधानिक प्रश्न उठ सकते हैं। इसलिये ऐसे विवादों से बचने तथा प्रभावी लोकतंत्र के लिये राज्य में मंत्रियों की न्यूनतम संख्या 12 किया जाना अत्यंत आवश्यक है। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता, 32 वर्षो से प्रैक्टिस करने वाले तथा 44 कानूनी पुस्तकों के लेखक व कानून के जानकार नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने उत्तराखंड के राज्यपाल को भेजे ज्ञापन भेजकर संविधान के प्रावधानों के अनुरूप मंत्रि परिषद पूर्ण करने की मांग की है। श्री नदीम के ज्ञापन के अनुसार भारतीय संविधान से भारत में लोकतांत्रिक समाजवादी संसदीय गणराज्य की स्थापना की गयी है। इसमे जनता की सरकार, जनता के लिये, जनता के द्वारा चलाई जाती है। संसदीय व्यवस्था में सरकार का समस्त नियंत्रण आम जनता द्वारा चुने प्रतिनिधियों (सांसद/विधायकों) में से बनाई गयी मंत्रिमण्डल में निहित रहता है। राज्य में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 163 के अन्तर्गत राज्यपाल के अपने विवेक से किये जाने वाले कर्तव्यों के अतिरिक्त सभी मामलों में सहायता व सलाह देने के लिये मंत्रिपरिषद का प्रावधान जिसका प्रधान मुख्यमंत्री है। इससे स्पष्ट है कि राज्यपाल केवल मुख्यमंत्री की सलाह पर कार्य नहीं करते बल्कि मंत्रि परिषद की सलाह पर कार्य करते हैं। अनुच्छेद 164 में मंत्रियों की नियुक्ति सम्बन्धी प्रावधान है। इसमें 01-01-2004 से लागू 91 संविधान संशोधन से जोड़े गये हैं अनुच्छेद (1क) के परन्तुक के अनुसार किसी राज्य में मंत्रियों की संख्या बारह से कम नहीं होगी। ऐसी स्थिति में इससे कम संख्या होने पर यह मंत्रिपरिषद न रहकर मंत्रियों का समूह रह जाता है जिनकी सलाह पर कार्य करने का कोई प्रावधान संविधान में नहीं है।

इसलिये ऐसी मंत्रियों की कम संख्या वाले मंत्रियों के समूह की सलाह पर किये गये कार्यों पर वैधानिक प्रश्न उठ सकते हैं। इसलिये ऐसे विवादों से बचने तथा प्रभावी लोकतंत्र के लिये राज्य में मंत्रियों की न्यूनतम संख्या 12 किया जाना अत्यंत आवश्यक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164(1क) के अनुसार अन्य मंत्रियों की नियुक्ति मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल द्वारा करने का प्रावधान है। इसलिये महामहिम राज्यपाल द्वारा मंत्रि परिषद पूर्ण करने व मंत्री बनाने के लिये सलाह देने के लिये मुख्यमंत्री को आदेशित किया जाना चाहिये ताकि ऐसे कानूनी विवादों से बचा जा सके तथा सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व मिल सके तथा वास्तविक व मजबूत लोकतंत्र लागू हो सके। महामहिम मंत्री बनाने के लिये सलाह के लिये सभी क्षेत्रों तथा वर्गों को समुचित प्रतिनिधित्व देने को भी निर्देशित कर सकते हैं। वर्तमान में सभी वर्गों व क्षेत्रों का समुचित प्रतिनिधित्व नहीं है।वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित न्यूनतम 12 के स्थान पर केवल 8 मंत्री ही कार्य कर रहे है। इस प्रकार केवल दो तिहाई मंत्री ही कार्यरत है जबकि 2022 में वर्तमान विधायक गठन के उपरान्त भी केवल 9 मंत्री ही बनाये गये थे। अर्थात तीन चौथाई। श्री नदीम ने सभी वर्गों व क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व न होने को भी स्पष्ट किया है। उनके अनुसार वर्तमान में कार्यरत मुख्यमंत्री सहित 8 मंत्रियों में अनुसूचित जन जाति, जनगणना 2011 के अनुसार 16 प्रतिशत भागीदारी वाले अल्पसंख्यक वर्ग तथा 14 प्रतिशत भागीदारी वाले अन्य पिछड़ा वर्ग का तो कोई प्रतिनिधित्व ही नहीं है जबकि आधी आबादी वाली महिलाओंतथा 19 प्रतिशत भागीदारी वाले अनुसूचित जाति वर्ग का समुचित प्रतिनिधित्व नहीं है। वर्तमान मंत्री उत्तराखंड के सभी जिलों का भी प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।इसमें कुमाऊं के तीन जिलों से एक-एक, कुल तीन तथा गढ़वाल के दो जिलों से 2-2 तथा एक जिले से 1 मंत्री चुनकर आये हैं। ऐसी स्थिति में मंत्री या सरकार में आधे से कम केवल 6 जिलों के निर्वाचित विधायक ही शामिल है। इन जिलों में पौड़ी, देहरादून के 2-2, चम्पावत, उधमसिंह नगर, अल्मोड़ा व टिहरी के 1-1 विधायक शामिल है। जबकि प्रदेश के आधे से अधिक 7 जिलों नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, उत्तरकाशी, हरिद्वार, चमोली तथा रूद्रप्रयाग के कोई विधायक ही शामिल नहीं है। इस असंतुलन को ठीक किया जाना भी लोकतंत्र को मजबूत बनाने व अधिकतर जिलों व क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने के लिये आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि जिन जिलों के विधायकों का सरकार में मंत्रियों के रूप में प्रतिनिधित्व नहीं है जनगणना 2011 के आंकडों के अनुसार उनकी कुल आबादी प्रदेश की कुल आबादी की 45 प्रतिशत है। श्री नदीम ने स्पष्ट किया है कि भारतीय संविधान के अन्तर्गत अनुच्छेद 164(1) के अन्तर्गत मुख्यमंत्री की सलाह पर मंत्रियों की नियुक्ति महामहिम राज्यपाल को करनी है इसलिये उन्हें निर्देशित करने का भी महामहिम राज्यपाल को अधिकार है। राज्यपाल द्वारा उत्तराखंड में रहने वाले सभी वर्गों तथा क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कराने सहित मंत्री परिषद पूर्ण करने के लिये सलाह मुख्यमंत्री सें मांगी जा सकती है और मुख्यमंत्री द्वारा समय से सलाह न देने पर स्वयं भी इस सम्बंध में कदम उठाये जा सकते है क्योंकि संविधान में महामहिम के मुख्यमंत्री द्वारा सलाह न देने पर मंत्री नियुक्त करने पर कोई प्रतिबंध भी नहीं है।

जातीय हिंसा की आग में जलते मणिपुर में असभ्यता की चरम बर्बरता

आपसी वैमनस्य और जातीय हिंसा का जो दृश्य मणिपुर में दिखा है, उसने संपूर्ण मानवता को झकझोरने का काम किया है। दो महिलाओं की निर्वस्त्र परेड और अमानवीय अत्याचार का खिलवाड़ ने साफ कर दिया है कि मनुष्य को यदि मनमानी करने की छूट मिलती रही तो उसे असभ्यता की चरम बर्बरता तक पहुंचने में देर नहीं लगेगी ? मनुष्य के अवचेतन में पैठ जमाए बैठी क्रूरता, निर्ममता और यौन हिंसा मर्यादा की सभी सीमाएं लांघकर मानवीय गरिमा को तार-तार कर देंगी। मणिपुर की शर्मसार कर देने वाली इस घटना की हकीकत इसलिए सामने आ गई, क्योंकि हर मुट्ठी में ऑडियो-वीडियो कैमरा है और उसे प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया है। वरना 1979-80 में कश्मीर घाटी में जब हिंदुओं को आतंकवादी-अलगाववादियों ने कश्मीर से बाहर हो जाने की मुनादी पीटी थी, तब महिलाओं के साथ ऐसे ही या इनसे भी बद्तर अत्याचार हुए थे। तब प्रधानमंत्री वीपी सिंह के मुंह पर ताला पड़ गया था और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला लंदन भाग गए थे। आज देर से ही सही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कहना पड़ा है कि हैवानियत की यह घटना अक्षम्य है। घटना पर पीड़ा भी होती है और क्रोध भी आता है। दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इस घाटना के कारण 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार होना पड़ा है। लेकिन संवैधानिक लोकतंत्र में ढाई माह से कोई राज्य कैसे जल रहा है, इसका जबाव भी प्रधानमंत्री को देना होगा ? आखिरकार इस मुद्दे पर भी विचार करना जरूरी है कि आजादी के बाद से ही यह भूखंड अस्थिर क्यों है ? हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा करने वाली मणिपुर की आग इतनी बेकाबू हो गई है कि वहां की आबादी में अब यह विभाजन करना नामुमकिन है कि कौन फरियादी है और कौन अपराधी ! क्योंकि दोनों पक्ष ही आगजनी और हिंसा में भागीदार हैं और दोनों ही पीड़ित ? यह भी कहना मुश्किल है कि प्रशासन और पुलिस निष्पक्ष एवं निर्विवादित है ? सच्चाई तो यह है कि पुलिस ने अपने कर्त्तव्य का पालन भी ठीक से नहीं किया। घटना चार मई 2023 की बताई जा रही है। इसके एक-दो दिन पहले ही मणिपुर में तीन विवादित कानूनों को लेकर मैतेई और नगा, कुकी समुदायों के बीच वर्चस्व की लड़ाई छिड़ना शुरू हो गई थी। शुरूआत में ही एक समुदाय के पुरुषों ने शत्रु समुदाय की स्त्रियों की अस्मिता से घिनौने खेल की शुरूआत कर दी थी। पीड़ित कुकी समुदाय की महिलाओं ने अब कार्यवाही आरंभ होने पर बयान दिया है कि करीब एक हजार हथियारबंद लोग उनके गांव में घूसे चले आए। घरों में आग और कत्ल-ए-आम का तांडव रच दिया। जब ये महिलाएं प्राण और आबरू बचाने की कोशिश में सुरक्षित जगह तलाश रही थीं, तब पुलिस ने अपने वाहन में इन्हें शरण दे दी। पुलिस जब महिलाओं को थाने ले जाने लगी, तभी भीड़ वाहन के सामने खड़ी हो गई और बैठी महिलाओं को उनके हवाले करने की मांग करने लगी। आफत में पड़ी पुलिस को खुद की जान बचाने की चिंता हो गई और पुलिस ने लाचार महिलाओं को भीड़ के सुपुर्द कर दिया। फिर भीड़ ने जो किया वह वीडियो के जरिए दो माह बाद अब सामने आया है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को इस घटना और ऐसी ही वीभत्स सैंकड़ों घटनाओं की जानकारी पहले से ही थी, इसलिए उनसे जब घटना की प्रतिक्रिया ली गई तो उन्होंने सच्चाई उगल भी दी। कहा, 'ऐसी हजारों घटनाएं घटित हो चुकी हैं। उन सबके बारे में जांच चल रही है।' मसलन राजनीति के कुटिल व चतुर खिलाड़ी और घाट-घाट का पानी पी चुके बीरेनसिंह कतई संवेदनशील नहीं हैं। होते तो इस घटना को घ्टित होने के तुरंत बाद संज्ञान में ले चुके होते। क्योंकि पुलिस स्वयं इस घटना की साक्षी रही थी। इसलिए ऐसा संभव ही नहीं है कि वायरलैस अथवा मोबाइल से शिकार बना ली गई बेबस स्त्रियों की जानकारी विभाग

के उच्च-अधिकारियों को न दी गई हो ? मुख्यमंत्री का बयान और निर्वस्त्र महिलाओं की सार्वजनिक परेड से जाहिर है कि मणिपुर के दंगाग्रस्त एक बड़े इलाके में कानून व्यवस्था ढाई माह से पूरी तरह ठप है। वैसे भी मणिपुर चीन और म्यांमार के सीमाई क्षेत्र से लगा होने के कारण संवेदनशील क्षेत्र है। स्थानीय उपद्रवियों, घुसपैठियों और नशा कारोबारियों की टोह लेने के लिए इस पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में केंद्रीय व राज्य स्तरीय गुप्तचर संस्थाएं और उनके गुप्तचर बड़ी संख्या में तैनात हैं, आखिर ये क्या कर रहे थे ? इसे राज्य सरकार समेत तमाम शासकीय एजेंसियों की अक्षमता ही कहा जाएगा कि सरेआम घटना भी घट गई और कानों में लाचार स्त्रियों की पुकार भी नहीं गूंजी ? हालांकि थाउबल जिले में घटी इस घटना की जो अब जानकारियां छनकर सामने आ रही हैं, उससे साफ हुआ है कि 4 मई की इस घटना की रिपोर्ट 13 मई को कांग्पोक्पी जिले के साइकुल थाने में शून्य पर दर्ज कर ली गई थी। बाद में 21 जून को प्राथमिकी साईकुल थाने से थाउबल थाने में दर्ज हुई। लेकिन मुख्य आरोपी हेरादास सिंह व तीन अन्य की गिरफ्तारियां 19 जुलाई को वीडियो वायरल होने के 24 घंटे बाद हुईं। तब तक पुलिस इस मामले को दबाए रखने के लिहाज से हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। एक लोकतांत्रिक राज्य व्यवस्था में इस तरह की समाज को जलील करने वाली घटना केंद्र व राज्य सरकार के मातहत एजेंसियां महीनों तक छुपाए रखें, तो इसे कानून की असफलता ही माना जाएगा ? सड़क से संसद तक हंगामा खड़ा करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि आखिर वे कैसा समाज गढ़ रहे हैं या गढ़ना चाहते हैं ? क्योंकि मानवता को कलंकित करने वाली यह इकलौती घटना नहीं है। इसी कालखंड में राजस्थान और छत्तीसगढ़ में महिलाओं के साथ दुष्कर्म और नृशंस हत्या की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश में जातीय अहंकार के चलते एक उच्च जाती का युवक आदिवासी युवक पर पेशाब करता है और उसका वीडियो भी बनवाता है। अपने प्रेमियों के साथ अविवाहित सह जीवन में रहते हुए स्त्री को टुकड़ों में बांट देने की हृदय विदारक घटनाएं पूरे देश से सामने आ रही हैं। आखिर क्या कारण है कि शिक्षित और उत्तरोत्तर सभ्य होता जा रहा समाज अराजक एवं हिंसक भी हो रहा है ? इन कारणों की पड़ताल उन्हीं सांसदो को करनी होगी, जो तिल को ताड़ बना देने की मनस्थिति में बुनियादी सवालों और उनके हल को हाशिए पर धकेलते रहे हैं। आज प्रधानमंत्री कह रहे हैं, दोषियों को बख्शेंगे नहीं। शीर्ष न्यायालय ने मामले को स्वमेव संज्ञान में लेते हुए कहा कि 'वीडियो को देखने के बाद हम बहुत परेशान हैं। महिलाओं को निशाना बनाने की मंजूरी किसी को नहीं दे सकते ? महिलाओं को हिंसा के साधन के रूप में इस्तेमाल करना नामंजूर है।' मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने भी कह दिया कि आपको ग्राउंड पर जाकर रियलिटी देखनी चाहिए। राज्य में ऐसे हजारों मामले दर्ज हैं। इसीलिए तो इंटरनेट बंद किया है ! सरकार गंभीर है, दोषियों को फांसी के तख्ते तक पहुंचाया जाएगा।' इस घटना के ट्वीट वीडियो से भी यह पता चलता है कि मुख्यधारा का मीडिया चाहे प्रिंट हो या टीवी समाचार चौनल मणिपुर में हिंसक व स्त्रीजन्य निर्लज्जता की खबरों तक पहुंच ही नहीं पाया। वैसे भी स्वतंत्रता के बाद से पूर्वोत्तर के राज्य शेष भारत से लगभग अलग-थलग रहे हैं, इसलिए वहां न केवल उग्रवाद को पनपने के नए-नए अवसर मिलते रहे, बल्कि बांग्लादेशी मुस्लिम और म्यांमार के रोहिंग्या घुसपैठिये आग में घी डालने का काम करते रहे हैं। ईसाई मतांतरण के चलते यहां जनसंख्यात्मक घनत्व का संतुलन बिगड़ जाना भी उपद्रव का एक प्रमुख कारण है। चीनी दखल इस उपद्रव को उकसा कर जीवंत बनाए रखने का काम करता है। चीन और म्यांमार यहां अलगाव वादियों को चारा डालते रहे हैं। हालांकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से पूर्वोत्तर के सातों राज्यों पर विशेष ध्यान देना शुरू हुआ है। ढ़ांचागत विकास के साथ-साथ आवागमन के साधन बढ़े हैं। पर्यटन के रूप में भी इलाका जाने जाना लगा है। नशे के कारोबार पर लगाम लगी है और आतंकी समूहों को जमींदोज किया है। अफीन की खेती को ऑर्गेनिक खेती में बदलने का काम भी बड़े पैमाने पर हुआ है। बावजूद यह विचारणीय प्रश्न है कि गृहमंत्री अमित शाह की चार दिवसीय यात्रा के बाद भी शांति स्थापित क्यों नहीं हुई ? इतने लंबे समय से सुरक्षा बल क्या कर रहे हैं। स्थानीय पुलिस क्यों कुछ नहीं कर पा रही है ? उपद्रव के दौरान मालखाने से 3 हजार बंदूकें और 6 लाख गोलियां लूट ली गई हैं। 60 हजार से भी ज्यादा लोग विस्थापित होकर या तो मणिपुर में ही हैं, या फिर पड़ोसी राज्यों में शरणगात हैं। न्यायालय समेत सब जानते हैं कि इस फसाद के जड़ में वे तीन कानून हैं, जो मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने वाले है ? नगा और कुकी समुदाय इन कानूनों को बनाने के बाद से ही विरोध कर रहे हैं। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच अब यह विरोध वैमनस्यता में बदलकर इतना गहरा हो गया है कि समुदायों से जुड़े आम लोग ही नहीं सरकारी नौकरी-पेशा भी जातिगत समूहों में बंट गए हैं। इनमें प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों से लेकर वे बुद्धिजीवी भी हैं, जो समरसता की थोथी बातें करते रहे हैं। अतएव अब मणिपुर को गंभीरता से लेते हुए समस्या का समाधान युद्धस्तर पर निकालने की जरूरत है।

प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार

माही ने खुद रची थी कोबरा से डंसवाने की साजिश

आईजी व एसएसपी ने किया अंकित हत्याकांड का खुलासा,परिजनों ने दिया पचास हजार का ईनाम

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। प्रेमी अंकित चौहान से पीछा छुड़ाने के लिए जहरीले सर्प से उसे मौत के घाट उतरवाने वाली प्रेमिका माही उर्फ डॉली को पुलिस ने उसके बॉयफ्रेंड दीप कांडपाल के साथ रुद्रपुर से गिरफ्तार कर लिया जब यह दोनों गुडगांव से हल्द्वानी आत्मसमर्पण करने के लिए आ रहे थे। मामले का खुलासा करते आईजी कुमाऊं नीलेश आनंद भरणे और एसएसपी पंकज भट्ट सीओ सिटी भूपेंद्र सिंह धोनी ने संयुक्त रूप से बताया कि अंकित हत्याकांड की मुख्य आरोपी माही ने इस हत्याकांड की साजिश रचते हुए अपने प्रेमी अंकित को सांप से इसवाकर उसकी हत्या करवा दी थी। जिसमें कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सबसे पहले रमेश नाथ नाम के सपेरे को गिरफ्तार किया था। लेकिन मुख्य साजिशकर्ता माही और उसका आशिक दीप कांडपाल समेत अन्य आरोपी फरार हो गए थे। माही तथा दीप को पुलिस ने रुद्रपुर से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया पुलिस की तफ्तीश जैसे जैसे आगे बढ़ी ये मामला बेहद ही सनसनीखेज तरीके से सामने आया। अंकित की प्रेमिका माही ने अपने नए बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर साजिश रची और सपेरे को तैयार करने हेतु दो बार उसकी हमबिस्तर होने के साथ ही दस हजार रुपये भी दिए। माही ने अपने नौकर नौकरानी को भी इसमें शामिल किया और प्लानिंग कर अंकित को सांप से डसवाकर मार डाला। जिसके बाद वह बरेली से दिल्ली भागे थे और कई महंगे होटलों में रुके। उन्होंने बताया कि इसके बाद वहा से कोर्ट में सरेंडर होने के लिए हल्द्वानी आ रहे थे तभी मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने उन्हें रूद्रपुर में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच के दौरान माही ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने अंकित को बीयर पीने के लिए बुलाया था जिसके बाद अंकित घर पहुंचा तो वह भीगा था। बारिश में भीगने से वह माही के बेड पर कंबल ओढ़कर लेट गया। तभी चारों ने उसे दबा दिया और सपेरे ने साप से उसकी जींस ऊपर कर कटवा दिया। इसके बाद अंकित तड़पता रहा। इस बीच उसे दूसरी बार फिर कटवाया जिसके बाद अंकित की मौत हो गई। इसके बाद राम अवतार और दीप कांडपाल गाड़ी लेकर लाश को ठिकाने लगाने के लिए जगह खोजने गए और अंकित की लाश को कार में डालकर भुजियाघाट की ओर ले गए। वहां मौका न मिलने से वह वापस लौट आए और तीनपानी बाईपास में कार में छोड़कर फरार हो गए। आईजी तथा एसएसपी ने बताया कि फिलहाल अंकित हत्याकांड में नौकर और नौकरानी फरार चल रहे है। पुलिस जांच पड़ताल के दौरान यह भी सामने आया कि दीप कांडपाल से वह पिछले 8 साल से प्रेम करती थी जबकि अंकित 6 साल से उसके साथ था। इससे स्पष्ट था कि दीप और माही पहले से ही एक दूसरे के संबंध में थे। कारोबारी अंकित चौहान को शराब में नशा पिलाकर नहीं बल्कि एक बोतल बीयर पिलाने के बाद कोबरा से डसवाकर तड़पा-तड़पाकर मारा गया था। इसका पर्दाफाश खुद मुख्य हत्यारोपित अंकित की प्रेमिका माही उर्फ डौली ने किया है। पुलिस ने 50 हजार की वांटेड माही व उसके प्रेमी दीप कांडपाल को रुद्रपुर से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों कोर्ट में सरेंडर करने के लिए वकील से मिलने आ रहे थे। वहीं, दो अन्य आरोपी माही की नौकरानी और उसका पति अभी फरार हैं। दोनों के बिहार भागने की आशंका है। सपेरा रमेश नाथ लोगों के घरों से सांप पकड़ता था। इसी से उसका गुजर-बसर चल रहा था। वर्ष 2022 उसकी मुलाकात कालसर्प पूजा कराने को लेकर माही से हुई थी। छह महीने पहले कालसर्प की पूजा के लिए वह जंगल से सांप लाया था, तब से उसका माही के घर आना-जाना शुरू हो गया था। माही भी सपेरे से मिलने उसकी झोपड़ी में जाती थी। छह जुलाई को रामपुर रोड स्थित पंचायत घर के पास एक ब्यूटी पार्लर की दुकान से कोबरा घुस गया था। दुकानदार ने सपेरे रमेश नाथ को ही बुलाकर कोबरा पकड़वाया था। इसी कोबरे से सपेरे ने अंकित को डसवाया। टीम में शामिल पुलिस कर्मी कोतवाल हरेंद्र चौधरी, एसएसआइ विजय मेहता, महेंद्र प्रसाद, जगदीप नेगी, कुमकुम धानिक, गुलाब सिंह कांबोज, एसओजी प्रभारी राजवीर नेगी, हेड कांस्टेबल इसरार नबी, कुंदन कठायत, त्रिलोक रौतेला, घनश्याम रौतेला, चंदन नेगी, अरुण राठौर, बंशीधर जोशी, छाया, अनिल गिरी, भानु प्रताप व अशोक रावत आदि शामिल थे।

महंगे होटल और आलीशान फ्लैट में रूकी थी शातिर माही

हल्द्वानी। हत्या को आत्महत्या दिखाने की कोशिश करने वाली शातिर माही उर्फ डौली पुलिस से बच नहीं पाई। नौकरानी के घर के बाद उसने प्रेमी के संग गुड़गांव के होटल व एक महंगे फ्लैट में शरण ली। तीन दिन पहले दिल्ली के एटीएम से एक लाख रुपये निकाले, जिसमें से 45 हजार रुपये खर्च कर दिए। 55 हजार रुपये उसके पास से बरामद हुए हैं। गोरापड़ाव के शांतिविहार कालोनी में रहने वाली माही के शौक जितने महंगे हैं, वह उतनी ही चालाक है। डॉली ने अपने प्रेमी दीप के साथ अंकित को मारने के लिए उसने कोबरा से डसवाने की साजिश रची। इसके लिए कोई नाटक या फिल्म नहीं देखी। उसकी प्लानिंग थी कि अगर सांप से कटवाएगी तो पुलिस को भटका सकती है। 14 जुलाई को वारदात के बाद वह दिल्ली पहुंची, वहां बहन ने शरण नहीं दी। इसके बाद रोडवेज बस से अपने प्रेमी दीप कांडपाल, नौकरी ऊषा, नौकर के पति रामअवतार व उसके बच्चों व सपेरे के साथ पीलीभीत पहुंची। 16 जुलाई को सभी बरेली पहुंचे। यहां से नौकर व नौकरानी अपने बच्चों के साथ बिहार जाने की बात कहकर ट्रेन से निकले। माही व उसका प्रेमी दीप कांडपाल रोडवेज बस से गुडगांव पहुंच गए। जहां दोनों एक दिन महंगे होटल में रहे। इसके बाद एक फ्लैट में शरण ले ली थी। माही का प्रेमी दीप कांडपाल शराब बेचने का काम करता है। गुड़गांव का एक व्यक्ति उसे शराब भेजता था। वारदात के बाद दीप की उससे बातचीत हुई। इसी काल डिटेल के आधार पर पुलिस को काफी मदद मिली। इससे पहले बंगाल से आई एक मिस काल ने पुलिस को उलझाया। पुलिस की एक टीम गुडगांव पहुंची तो माही व दीप रुद्रपुर पहुंच गए थे। माही का नेटवर्क बड़ा है। हरियाणा के रसूखदारों से भी उसके नजदीकी संबंध थे। माही के घर एचआर नंबर की गाड़ियां आती थी। इसके अलावा माही खुद भी हरियाणा तक मिलने पहुंच जाती थी।

मणिपुर महिला उत्पीड़न के खिलाफ कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मणिपुर महिला उत्पीड़न के विरोध में आज आम आदमी पार्टी एवं इंकलाबी मजदूर केन्द्र की नगर इकाईयों द्वारा कलैक्ट्रेट में प्रदर्शन कर उपजिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया। जिसमें मणिपुर महिला उत्पीड़न के मामले में प्रधानमंत्री के इस्तीफा देने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि देश की स्थिति आज आपातकालीन जैसी है । मणिपुर मे जिस प्रकार से महिलाओं संग बर्बरता कर भीड़ द्वारा सड़कों पर वस्त्र हीन कर घुमाया गया शर्मनाक है। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार दोनों मुख दर्शक बनकर देखती रही ।वीडियो वायरल होने के बाद महिला उत्पीड़न करने वालों की गिरफ्तारी की गई । मानवता के आधार पर प्रधानमंत्री और मणिपुर के मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। साथ ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए। प्रदर्शन करने वालों में आम आदमी पार्टी के नगर अध्यक्ष किरन पाण्डे विश्वास, जिला अध्यक्ष जसपाल सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष गुरनाम पन्नू सिंह, विधानसभा अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष माजिद अली, कपिल, राहुल, दीपक, इंकलाबी मजदूर केन्द्र के नगर सचिव दिनेश चन्द्र आदि मौजूद थे।

विद्युत तार बदलने को लेकर अभियंता का घेराव

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। वार्ड न 33 सिंह कालोनी के पार्षद सुशील चौहान के नेतृत्व में वार्ड के लोगों ने नवोदय बिजली घर पहुंचकर अधिशासी अभियन्ता गोविन्द सिंह कार्की का घेराव करते हुए वार्ड की खुशी इनक्लेव कालोनी ,आलौकिक वाटिका कालोनी,में पुरानी जर्जर विद्युत तारों को बदलवाकर नई बंद विद्युत तारे लगवाने की मांग की। पार्षद सुशील चौहान ने कहा कि कालोनी की विद्युत तारे लगभग 20 सालो पुरानी है जो आए दिन टूट जा रही है और कोई बड़ी घटना का खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि सिंह कालोनी फेस 2 की गली न 3 व 4 में खंभे न होने के कारण आए दिन घरों की केबल टूट जा रही है यहां पर श्री फेज का कनेक्शन होने के बाद भी लोगो को सिंगल फेस का ही कनेक्शन दिया गया है। खम्भों पर श्री फेस के बाक्स नही लगाए गए है। श्री चौहान ने कहा कि रोज रात को लाइट बार बार ट्रिप हो रही है और वोल्टेज बहुत कम आ रही है यहां के लोग पूरी पूरी रात सो नही पा रहे हैं। इस दौरान पार्षद सुशील चौहान,साहिल ,पवन खुराना ,भरत,अग्रवाल ,खिलेंद्र चौधरी,मुकुल झा ,कपिल कालरा,विजय परुथी मनीष बावरा ,प्रेम खेड़ा ,दिलप्रीत सिंह,सुरेश पोखरियाल प्रशांत गुप्ता , संदीप अरोड़ा ,सुभाष वर्मा ,जनार्दन पांडे ,संजय आर्य,तरुण चौहान ,मदन लाल कक्कड़, आदि दर्जनों लोग मोजूद थे।

पेज एक का शेष...

टाईगर की खाल ...देहरादून का रहने वाला है वो ही मुख्य शिकारी है उसने ही टाइगर को मारा है। जिस पर एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा तुरन्त एसटीएफ व तराई पूर्वी वन प्रभाग, हल्द्वानी की एक संयुक्त टीम का गठन कर शिकारी की तलाश में भेजी गयी। टीम ने कार्यवाही करते हुए काशीपुर मण्डी चौकी क्षेत्र से मुख्य अभियुक्त अर्जुन सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी रिस्पना, नेहरु कालोनी जनपद देहरादून को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में एसटीएफ को बताया कि उसने ही बड़ापुर रेंज बिजनौर के जंगल में 2 माह पहिले इस टाइगर को जहर देकर मारा था फिर उसकी खाल व हड्डियों को निकालकर रख लिया था उन्हीं खाल-हड्डियों को उसने इन चार लोगों को बेचने के लिए दिया था। एसटीएफ के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त एक शातिर वन्यजीव पोचर है जिसके विरुद्ध पूर्व में भी वाइल्ड लाइफ एक्ट के कई मुकदमें विभिन्न जगहों में दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपी के नेटवर्क की जानकारी एसटीएफ द्वारा जुटायी जा रही है।गिरफ्तार करने वाली टीम में एसटीएफ के उपनिरीक्षक विपिन जोशी,आरक्षी राजेन्द्र मेहरा,संजय कुमार,नवीन कुमार,तराई पूर्वी वन प्रभाग, हल्द्वानी के डिप्टी रेंजर प्रमोद सिंह बिष्ट,कैलाश चंद्र तिवारी, वन दरोगा पान सिंह मेहता आदि शामिल हैं।

यूकेडी कार्यालय में ...गुट के लोग नाराज होकर हंगामा करने लगे। यहां लोग गेट तोड़ने का भी प्रयास किया। जीएमएस रोड स्थित एक फार्म हाउस में दूसरे गुट का अधिवेशन चल रहा था। खबर मिलते ही यह गुट भी मौके पर पहुंचा और हंगामा शुरू कर दिया। सीओ सिटी समेत भारी संख्या में पुलिस फोर्स पहुंची। सीओ सिटी नीरज सेमवाल शिव प्रसाद सेमवाल को समझाते रहे। लेकिन कार्यकर्ता शांत नहीं हुए। समाचार लिखे जाने तक दोनों गुटों का हंगामा जारी था। हंगामे को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

प्रशासनिक अधिकारी...यहां बागेश्वर के तहसील रोड स्थित एक होटल में रह रहे थे। रविवार की शाम वह अपने कमरे में बेहोशी की हालत में मिले। होटल कर्मियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस बीच उप जिलाधिकारी तहसीलदार सहित तहसील कर्मी भी मौके पर पर पहुंचे। रात दस बजे उन्हें जिला अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाल ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है। शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घटना से परिवार में कोहराम मचा है।

सड़क हादसे में...घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक मोईन रामपुर रोड सरगम सिनेमा हॉल के पास एक कलर लैब में काम करता था और अपने काम पर जा रहा था। उसके भाई अनीस अहमद की इन्द्रा नगर में फोटोग्राफर की दुकान है। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा है।

शादी टूटने के बाद...पर आई और इसके बाद अपने कमरे में वापस चली गई। जब काफी देर तक वह कमरे से नीचे नहीं आई तो उसकी मां ने नाश्ता करने के लिए उसे आवाज दी। उसके न आने पर परिजन उसके कमरे में गए तो उसका शव फंदे से लटका मिला। उसे तत्काल उपचार के लिए चिकित्सालय ले जाया गया, लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार कुछ समय पहले लाइबा की शादी बनभूलपुरा के ही एक युवक से तय हुई थी। जब उन्हें पता चला कि लड़का बारबर है तो उन्होंने शादी तोड़ दी। आरोप है कि शादी टूटने के बाद भी युवक उससे बात करता था। शक है कि उसी की वजह से लाइबा ने जान दी। वह तनाव में थी। थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

युवती ने गौला ... ने रेस्क्यू कर युवती को नदी से बाहर निकालकर उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए एसटीएच पहुंचाया। जहां चिकित्सकों द्वारा उसकी हालत काफी नाजुक बताई गई है। बनभूलपुरा थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी ने बताया कि युवती की पहचान नही हो सकी है। उसे अस्पताल भिजवाया गया है। युवती और उसके परिजनों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि पूरी तरह होश में आने पर युवती द्वारा पुल से छलांग लगाने की वजह मालूम हो सकेगी।

किशोरी को लेकर...के परिजनों ने पुलिस को तहरीर सौंपी थी। किशोरी के परिजनों ने पुत्री के साथ अनहोनी की भी आशंका जताते हुए बरामदगी की गुहार लगाई थी। एसएसआई कमाल हसन ने बताया कि चौकी प्रभारी रम्पुरा केसी आर्य ने आरोपी युवक को किशोरी के साथ दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। अब विवेचना एसआई महिला राखी धौनी को सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी का नाम तूफान पुत्र औसक शाह निवासी कस्बा सिलीगुड़ी थाना जिला दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल है। वह रम्पुरा में डेढ़ वर्ष से परिवार के साथ रहता है। आरोपी व किशोरी को कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है।

फर्जी प्रमाण पत्र...स्कूल के प्रमाण पत्रों को फर्जी बताया है। जिसके बाद डाक सेवा के विभागीय अधिकारियों ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए दोनों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। बताया जा रहा है डाक विभाग में अधिकारियों के अनुसार दोनों सेवकों को स्थाई नीति मिलने तक 12000 प्रति माह वेतन दिया जा रहा था। फिलहाल प्रवर डाक अधीक्षक नैनीताल कंचन सिंह चौहान का कहना है कि दोनों को बर्खास्त कर दिया गया है। मामले में एफ आई आर दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

Live Healthy... Live Nature...
Live in Kashi Garden

CONSTRUCTING HAPPINESS

RERA APPROVED PROJECT
UKREP05230000497

काशी गार्डन

आवासीय प्लॉट एवं विला

- रेरा एप्रूव्ड कॉलोनी
- 40 एवं 30 फीट की सड़कें
- 4 पार्क
- गेट बंद कॉलोनी
- सीव्रेज व्यवस्था
- ए-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर
- 90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा

साईट ऑफिस - शिमला पिस्तौर, डीपीएस स्कूल के पास, रुद्रपुर

86504-18000